>

Title: Need to review the civil aviation policy regarding allocation of air routes to private airlines.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): एयर इंडिया ने देश के अंदर और देश के बाहर जो फायदे के रूट व समय हैं, उन्हें प्राइवेट एयर लाइंसों को आवंटित कर दिया है। इस तरह की कार्यप्रणाली से एयर इंडिया वर्तमान में 43 हजार करोड़ के घाटे तक पहुँच गई है।

उड्डयन मंत्रालय की नीतियों की वजह से निजी विमान कंपनियाँ यात्रियों का आर्थिक शोषण कर रही है, मनमाना किराया वसूल कर रही है। साथ ही निजी विमान कंपनियों द्वारा इंटरनल समझौता कर हवाई रूट बांट लिए गए और उड्डयन मंत्रालय द्वारा इस रूट चार्ट को तत्काल मंजूर कर लिया गया जिससे एक तरह की रूटों की मोनोपॉली पर (प्राइवेट कंपनियों की) अधिकृत मोहर लगा दी गई जिसकी वजह से एयर इंडिया खुद तो अरबों रूपये के घाटे में चली गई और प्राइवेट विमान कंपनियों को अरबों रूपये का फायदा पहुँचा दिया। मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस मामले की विस्तृत जांच करवाकर उड्डयन मंत्रालय की नीतियों में आवश्यक बदलाव कर एयर इंडिया को घाटे से उबारने के सार्थक प्रयास किए जाए।